

All Inclusive IAS - Prelims 2024

← English video

Economy Class-04

हिंदी वीडियो →

Goods & Services Tax

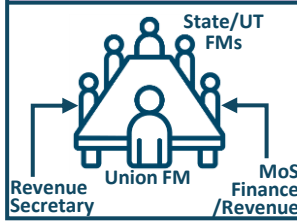
Article 279-A (by 101st Amendment 2016)

- Chairperson: Union FM
- Members: All State/UT FMs
MoS Revenue or Finance
- Quorum: 50%
- Decision: 75% majority
- Vote share: 66.6% States, 33.3% Centre

Decision of Union Cabinet

Secretariat: in New Delhi
Secretary: Revenue Secretary (ex-officio)
CBIC Chairperson: Permanent invitee (non-voting)

GST Council



Article 279-A (by 101st Amendment 2016)

- अध्यक्ष: केन्द्रीय वित्त मंत्री
- सदस्य: सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के वित्त मंत्री
MoS राजस्व या वित्त
- कोरम: 50%
- फैसले: 75% बहुमत
- वोट शेयर: 66.6% राज्य, 33.3% केंद्र

केन्द्रीय कैबिनेट का निर्णय

सचिवालय: नई दिल्ली में
सचिव: राजस्व सचिव (पदेन)
CBIC अध्यक्ष: स्थायी आमंत्रित (गैर-मतदान)

2024 : Centre notified GSTAT principal bench at Delhi.

2023 : Centre notified 31 GSTATs across 28 states & 8 UTs

Goods & Services Tax Appellate Tribunal

- It is the forum of second appeal in GST laws
- It is the first common forum of dispute resolution between Centre and States.

National Bench of GSTAT has

- 1 President
- 1 Technical Member (Centre)
- 1 Technical Member (State)

GST Appellate Tribunal



2024 : केंद्र ने GSTAT की राष्ट्रीय पीठ दिल्ली में अधिसूचित की

2023 : केंद्र ने 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 31 GSTAT को अधिसूचित किया

GST अपीलीय अधिकरण

- यह GST कानूनों में द्वितीय अपील का मंच है
- यह केंद्र और राज्यों के बीच विवाद समाधान का पहला आम मंच है।

GSTAT की राष्ट्रीय पीठ में ये होते हैं

- 1 प्रेसीडेंट
- 1 तकनीकी सदस्य (केंद्र)
- 1 तकनीकी सदस्य (राज्य)

Manages IT system for GST

2013: established as a private company
51% private, 24.5% Centre, 24.5% States

2022: made govt company
50% Centre, 50% States

GST Network



GST के लिए IT प्रणाली का प्रबंधन करता है

2013: एक निजी कंपनी के रूप में स्थापित
51% प्राइवेट, 24.5% केंद्र, 24.5% राज्य

2022: सरकारी कंपनी बन गई
50% केंद्र, 50% राज्य

2017 formed under GST Act 2017 for 2 years

2022 replaced by Competition Commission of India

Aim
benefits of GST should pass on to consumers

National Anti-Profitteering Authority



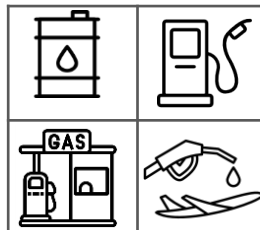
2017 GST अधिनियम 2017 के तहत 2 साल के लिए गठित

2022 भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया गया

उद्देश्य
GST का लाभ उपभोक्ताओं को मिले

Article 279A - GST Council will decide the date from which GST will be applicable on

- Petroleum crude
- High speed diesel
- Motor spirit (aka petrol)
- Natural gas
- Aviation Turbine Fuel




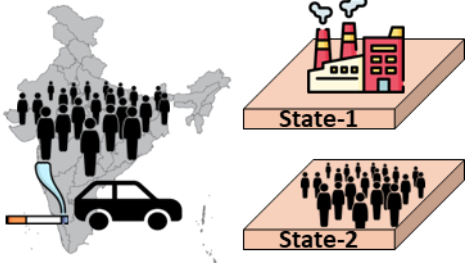
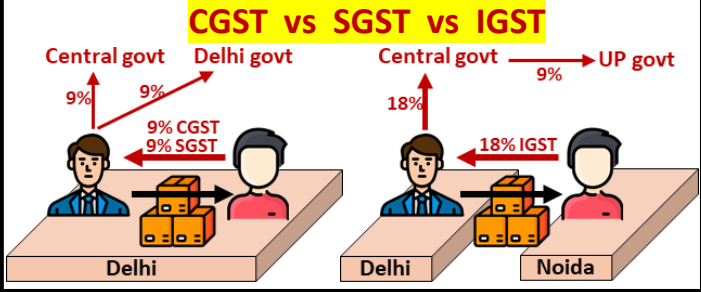


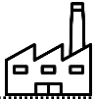
Article 279A - GST परिषद तारीख तय करेगी कि इन पर GST कब से लागू होगा

- अपरिष्कृत पेट्रोलियम
- उच्च गति डीजल
- मोटर स्पिरिट (पेट्रोल)
- प्राकृतिक गैस
- विमान टर्बाइन ईंधन

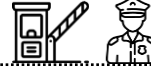
Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

<p>GST is not applicable on electricity, as per a 2017 govt notification Link</p>		<p>2017 की सरकारी अधिसूचना के अनुसार, बिजली पर GST नहीं लगता है</p>			
<p>Liquor was never brought under GST regime. States get substantial revenue from it.</p>		<p>शराब को GST के दायरे में नहीं लाया गया था। राज्यों को इससे काफी राजस्व प्राप्त होता है।</p>			
<p>Which of the following taxes are levied on tobacco?</p> <ul style="list-style-type: none"> ✓ GST ✓ Central Excise duty ✓ GST Compensation cess ✓ National Calamity Contingent Duty 		<p>तम्बाकू पर निम्नलिखित में से कौन सा कर लगाया जाता है?</p> <ul style="list-style-type: none"> ✓ GST ✓ सेंट्रल इक्साइज ड्यूटी ✓ GST मुआवजा उपकर ✓ राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक ड्यूटी 			
<p>GST on import export Exports: zero-rated Imports: treated as interstate, hence IGST is applied</p>		<p>आयात निर्यात पर GST निर्यात: शून्य-रेटेड आयात: अंतरराज्यीय के रूप में माना जाता है, इसलिए आईजीएसटी लागू किया जाता है</p>			
<p>"Major" slabs under GST 0% , 5% , 12% , 18% , 28%</p> <p>Revenue Neutral Rate Single rate of GST at which tax revenue of govt will not change.</p>		<p>जीएसटी के तहत "प्रमुख" स्लैब 0% , 5% , 12% , 18% , 28%</p> <p>राजस्व तटस्थ दर : GST की एकल दर जिस पर सरकार का कर राजस्व नहीं बदलेगा।</p>			
<p>2023 GST on gaming: Link</p> <ul style="list-style-type: none"> ❑ 28% GST on online gaming, casinos, horse racing. ❑ 28% GST will be charged on full face value, no distinction between game of skill and game of chance 		<ul style="list-style-type: none"> ❑ ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो, घुड़दौड़ पर 28% GST ❑ पूर्ण अंकित मूल्य पर 28% GST लगाया जाएगा, कौशल के खेल और मौके के खेल के बीच कोई अंतर नहीं होगा 			
<p>2022 SC ruling: Link</p> <ul style="list-style-type: none"> ❑ IGST on ocean freight imports is unconstitutional ❑ GSTC's recommendations are not binding on Centre & States. 		<ul style="list-style-type: none"> ❑ समुद्री फ्रेट आयात पर IGST असंवैधानिक है ❑ GSTC की सिफारिशें केंद्र और राज्यों पर बाध्यकारी नहीं हैं 			
<div style="border: 1px solid black; padding: 5px;"> <p>GST Compensation Cess</p>  </div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>GST Compensation Cess</p> <ul style="list-style-type: none"> ❑ Cess to compensate states for loss of revenue due to implementation of GST ❑ Assumption: 14% annual growth ❑ by GST (Compensation to States) Act 2017 ❑ For five years 2017-22. Later extended till March 2026 to repay the loan taken by Centre and passed to states during covid. </div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>GST Compensation Fund</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ It is a non-lapsable fund ▪ It forms part of Public Account of India </div>	<div style="border: 1px solid black; padding: 5px;"> <p>CGST vs SGST vs IGST</p>  </div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>GST मुआवजा उपकर</p> <ul style="list-style-type: none"> ✓ GST के कारण राज्यों को होनी वाली राजस्व हानि की भरपाई के लिए ✓ धारणा : 14% वार्षिक वृद्धि ✓ GST (राज्यों को मुआवजा) अधिनियम 2017 द्वारा ✓ पाँच वर्ष 2017-22 के लिए। बाद में, कोविड के दौरान, केंद्र द्वारा लिए गए राज्यों को दिए गए ऋण को चुकाने के लिए इसे मार्च 2026 तक बढ़ाया गया। </div> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; margin-top: 10px;"> <p>GST मुआवजा निधि</p> <ul style="list-style-type: none"> ✓ यह एक नॉन-लैप्सेबल फंड है ✓ यह भारत के सार्वजनिक खाते का हिस्सा है </div>				
<p>Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>		<p>अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं</p>			
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>Prelims 2024</p>	<p>Economy</p>	<p>Class-04</p>	<p>Page-020</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>



E-way bill



- ✓ It is generated on GST portal.
- ✓ It has details of sender, transporter, receiver, etc.
- ✓ It is not needed if **non-motorized vehicle** is used.
- ✓ Its **validity** depends on distance to be travelled.
- ✓ GST registered person must generate e-way bill, if moving goods worth more than **₹ 50,000**
- ✓ Some states have relaxed rules for intra-state movement
- ✓ It can also be generated if value is less than ₹ 50,000

- ✓ यह GST पोर्टल पर बनाया जाता है।
- ✓ इसमें भेजने वाले, ट्रांसपोर्टर और रिसीवर, आदि का विवरण होता है।
- ✓ गैर-मोटर चालित वाहन के उपयोग पर इसकी आवश्यकता नहीं है।
- ✓ इसकी वैधता यात्रा की दूरी पर निर्भर करती है।
- ✓ 50,000 रुपये से अधिक का माल ले जाने पर GST पंजीकृत व्यक्ति को ई-वे बिल जेनरेट करना होगा।
- ✓ कुछ राज्यों ने माल की अंतर-राज्यीय आवाजाही के नियमों में ढील दी है
- ✓ यदि मूल्य ₹ 50,000 से कम है तो भी इसे जेनरेट किया जा सकता है।

Cascading effect of taxes? Tax on tax.

Input Tax Credit under VAT/GST prevents cascading effect of taxes in the supply chain.

Value Added Tax

करों का व्यापक प्रभाव? टैक्स पर टैक्स

VAT/GST के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट आपूर्ति श्रृंखला में करों के व्यापक प्रभाव को रोकता है।

Prelims 2011 Which one of the following is not a feature of "Value Added Tax"?

- It is **multi-point destination-based** system of taxation.
- It is a tax levied on **value addition at each stage** of transaction in the production distribution chain.
- It is a tax on the **final consumption** of goods or services and must ultimately be borne by the **consumer**.
- It is basically a subject of the central government and the state governments are only a facilitator for its successful implementation.

निम्नलिखित में से कौन सी "मूल्य वर्धित कर" की विशेषता नहीं है?

- यह कराधान की एक बहु-बिंदु गंतव्य-आधारित प्रणाली है
- यह उत्पादन-वितरण श्रृंखला में लेनदेन के प्रत्येक चरण में मूल्यवर्धन पर लगाया गया कर है
- यह वस्तुओं या सेवाओं के अंतिम उपभोग पर एक कर है और अंततः उपभोक्ता द्वारा वहन किया जाना चाहिए
- यह मूल रूप से केंद्र सरकार का विषय है और राज्य सरकारें इसके सफल कार्यान्वयन के लिए केवल एक सुविधाकर्ता हैं

Note: The above question is 100% valid for GST

नोट: उपरोक्त प्रश्न GST के लिए शत प्रतिशत मान्य है

- 2011:** Govt introduced 115th Amendment Bill 2011 Bill was referred to Standing committee
- 2013:** Standing committee submitted report GST Network created
- 2014:** Bill lapsed as term of Lok Sabha ended
- 2014:** Govt introduced 122nd amendment bill
- 2016:** Bill passed by both houses in August Ratified by half the states in August Got President's assent in September.
- 2017:** GST finally implemented on 1st July 2017

2011
2012
2013
2014
2015
2016
2017
2018
2019
2020

- 2011:** सरकार ने 115वां संशोधन विधेयक 2011 पेश किया विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजा गया
- 2013:** स्थायी समिति ने रिपोर्ट प्रस्तुत की जीएसटी नेटवर्क बनाया गया
- 2014:** लोकसभा का कार्यकाल समाप्त, विधेयक निरस्त हुआ
- 2014:** सरकार ने 122वां संशोधन विधेयक पेश किया
- 2016:** अगस्त में दोनों सदनो से पारित अगस्त में आधे राज्यों द्वारा अनुमोदित सितंबर में राष्ट्रपति की मंजूरी मिली।
- 2017:** जीएसटी 1 जुलाई 2017 को लागू हुआ

Before GST, Centre & States levied VAT separately. GST unified them and also many other indirect taxes.

GST से पहले केंद्र और राज्य अलग-अलग VAT लगाते थे। GST ने उन्हें, और कई अन्य अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत किया।

Taxes subsumed under GST

Taxes related to Centre	Taxes related to States
<input type="checkbox"/> Central Excise duty <input type="checkbox"/> Duties of Excise (Medicinal and Toilet Preparations) <input type="checkbox"/> Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) <input type="checkbox"/> Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Products) <input type="checkbox"/> Additional Duties of Customs (<u>Countervailing Duty</u>) <input type="checkbox"/> Special Additional Duty of Customs (SAD) <input type="checkbox"/> <u>Service Tax</u> <input type="checkbox"/> Central Surcharges and Cesses so far as they relate to supply of goods or services.	<input type="checkbox"/> Central Sales Tax <input type="checkbox"/> <u>State VAT</u> <input type="checkbox"/> <u>Luxury Tax</u> <input type="checkbox"/> Purchase Tax <input type="checkbox"/> Taxes on advertisements <input type="checkbox"/> Octroi and Entry Tax (all forms) <input type="checkbox"/> Taxes on lotteries, betting and gambling <input type="checkbox"/> Entertainment & Amusement Tax (except when levied by local bodies) <input type="checkbox"/> State Surcharges and Cesses so far as they relate to supply of goods or services.

For Prelims, underlined taxes are important

Note Basic Customs duty and Import Duty were not subsumed under GST

बेसिक कस्टम्स ड्यूटी और इम्पोर्ट ड्यूटी को GST में शामिल नहीं किया गया था।

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

Direct Tax

Indian Express – [Link](#)

- First budget was presented by James Wilson on 18-Feb-1860
- Income tax was introduced in this budget

- पहला बजट 18-फरवरी-1860 को जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत किया गया था
- इस बजट में इनकम टैक्स की शुरुआत की गई थी

Direct tax base can be increased by :

- ✓ Linking PAN and Aadhaar
- ✓ Formalization of economy
- ✓ Introducing new TDS codes
- ✓ Rationalizing direct tax slabs
- ✓ Strengthening GST compliance
- ✓ Increasing data sources in Statement of Financial Transaction and much more...

प्रत्यक्ष कर आधार को निम्न द्वारा बढ़ाया जा सकता है :

- ✓ पैन और आधार को लिंक करना
- ✓ अर्थव्यवस्था का औपचारिकरण
- ✓ नए TDS कोड की शुरुआत
- ✓ प्रत्यक्ष कर स्लैब को युक्तिसंगत बनाना
- ✓ GST अनुपालन को मजबूत करना
- ✓ वित्तीय लेनदेन के विवरण में डेटा स्रोतों को बढ़ाना और भी बहुत कुछ...

Reason for low tax base in India :

- ✓ Large informal sector
- ✓ Tax exemption to agricultural income
- ✓ Less effective tax administration
- ✓ Pending tax litigations and much more...

भारत में कम कर आधार के कारण :

- ✓ बड़ा अनौपचारिक क्षेत्रक
- ✓ कृषि आय पर टैक्स छूट
- ✓ कम प्रभावी कर प्रशासन
- ✓ लंबित कर मुकदमे और भी बहुत कुछ...

24-Jan-2024 – Indian Express – [Link](#)

- Direct tax-GDP ratio rose to 15-year high, Tax buoyancy dipped
- Data for FY 2022-23**
 - **1.18** Tax buoyancy
 - **6.11%** Direct tax-to-GDP ratio
 - **7.4 crore** Income tax return filers (6.97 crore were individuals)
- FY 19, FY 20, FY22, FY 23**
 - Direct tax collection was more than indirect tax collection.
- Higher direct taxes-to-indirect taxes ratio is considered progressive as indirect taxation hurts the poor more than direct taxes.
- Net direct tax collections?**
 - Tax collection after refunds
- State's contribution to Direct tax**
 - 36% Maharashtra
 - 13% Delhi
 - 12% Karnataka
 - 07% Tamil Nadu

- प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, कर-उछाल में गिरावट आई
- वित्त वर्ष 2022-23 के आँकड़े**
 - **1.18** कर उछाल
 - **6.11%** प्रत्यक्ष कर-से-जीडीपी अनुपात
 - **7.4 करोड़** आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले (6.97 करोड़ व्यक्ति थे)
- वित्तीय वर्ष 2019, 2020, 2022, 2023**
 - प्रत्यक्ष कर संग्रह अप्रत्यक्ष कर संग्रह से अधिक था
- उच्च प्रत्यक्ष कर-से-अप्रत्यक्ष कर अनुपात को प्रगतिशील माना जाता है क्योंकि अप्रत्यक्ष कराधान प्रत्यक्ष करों की तुलना में गरीबों को अधिक नुकसान पहुंचाता है
- शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह?**
 - रिफंड के बाद कर संग्रहण
- प्रत्यक्ष कर में राज्यों का योगदान**
 - 36% महाराष्ट्र
 - 13% दिल्ली
 - 12% कर्नाटक
 - 07% तमिलनाडु

<https://www.investopedia.com/terms/t/tax-to-gdp-ratio.asp>

- Developed nations typically have higher tax-to-GDP ratios than developing nations. (OECD countries : 35%)
- According to World Bank, Tax-GDP ratio above 15% is important for economic growth and poverty reduction.
- Higher tax revenues mean a country can spend more on improving infrastructure, health, and education.
- Tax revenues generally rise and fall faster than GDP.

- विकसित देशों में आम तौर पर विकासशील देशों की तुलना में कर-जीडीपी अनुपात अधिक होता है। (OECD देश: 35%)
- विश्व बैंक के अनुसार, 15% से ऊपर कर-जीडीपी अनुपात आर्थिक विकास के लिए और गरीबी में कमी के लिए महत्वपूर्ण है।
- उच्च कर राजस्व का मतलब है कि देश बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार पर अधिक खर्च कर सकता है।
- कर राजस्व आम तौर पर GDP की तुलना में तेजी से बढ़ता और घटता है।

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

Prelims 2015 A decrease in tax to GDP ratio of a country indicates which of the following?

1. Slowing economic growth rates
2. Less equitable distribution of national income

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

किसी देश की, कर से GDP के अनुपात में कर में कमी क्या सूचित करती है?

1. आर्थिक वृद्धि-दर धीमी होना
2. राष्ट्रीय आय का कम सामयिक (एक्विटेबल) वितरण नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

PLFS

Population

PIB 09-Oct-2023 <https://pib.gov.in/PressReleaseFramePage.aspx?PRID=1966154>

Note: following data is for usual status (ps+ss) for age 15 and above,



Labour Force Participation Rate

LFPR	Male	Female	Total
Urban	74.5	25.4	50.4
Rural	80.2	41.5	60.8
Total	78.5	37.0	57.9

$$LFPR = \frac{\text{employed} + \text{unemployed}}{\text{population}}$$



Worker Population Ratio

WPR	Male	Female	Total
Urban	71.0	23.5	47.7
Rural	78.0	40.7	59.4
Total	76.0	35.9	56.0

$$WPR = \frac{\text{employed}}{\text{population}}$$



Unemployment Rate

UR	Male	Female	Total
Urban	4.7	7.5	5.4
Rural	2.7	1.8	2.4
Total	3.3	2.9	3.2

$$UR = \frac{\text{unemployed}}{\text{employed} + \text{unemployed}}$$



Urban area



Rural area



Every 3 months
- CWS

Every year
- CWS
- Usual Status

Current Weekly Status : last 7 days
Usual Status (ps + ss) : last 365 days
ps = principal status (> 6 months)
ss = subsidiary status (> 1 month)

Urban area



Rural area



--
--
UR is more

LFPR is more
WPR is more
--

	Urban	Rural	Total
Salaried	48.0	12.2	20.9
Self-employed	39.6	63.0	57.3
Casual labour	12.4	24.8	21.8

Urban areas : most people are salaried
Rural areas: most people are self-employed
शहरी क्षेत्र: अधिकांश लोग वेतनभोगी हैं
ग्रामीण क्षेत्र: अधिकांश लोग स्व-नियोजित हैं

LFPR is more WPR is more UR is more Earns more	

Equal pay for equal work for men & women

- Article 39(d) of Constitution
- Equal Remuneration Act 1976

- पुरुषों और महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन
- संविधान का अनुच्छेद 39 (d)
- समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976

since 1999

Ministry of Statistics and Program Implementation

National Statistical Office
Releasing PLFS since 2017
- National Sample Survey Office
- Central Statistical Office
- Computer Center

Programme Implementation wing
- MPLADS
- Twenty Point Programme
- Infra & Project monitoring

National Statistical Commission

Indian Statistical Institute

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं